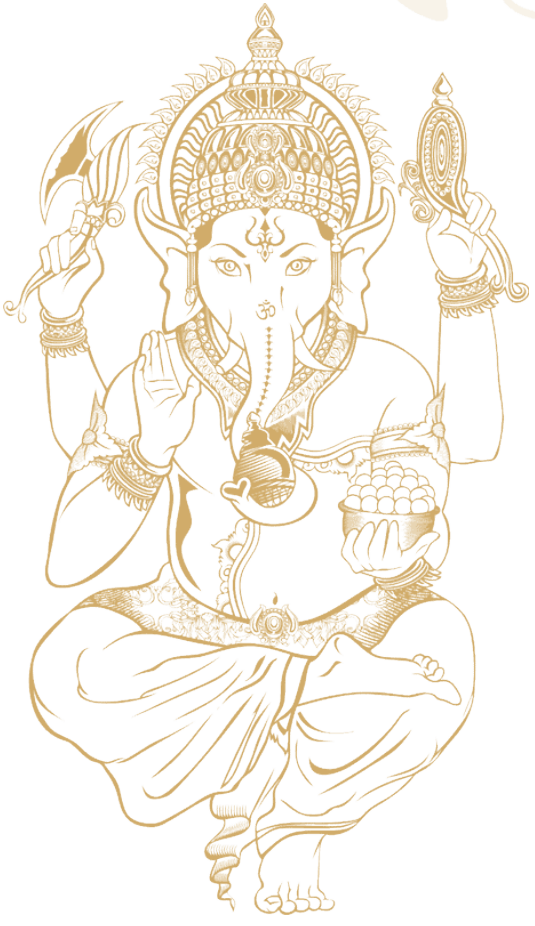

Parveen Kaur

22 Dec 1997

03:30 AM

Jalandhar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121474302

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**21-22/12/1997**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**03:30:00 घंटे**
इष्ट	50:18:17 घटी
स्थान	**Jalandhar**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	31:19:00 उत्तर
रेखांश	75:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:27:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:02:16 घंटे
वेलान्तर	00:01:57 घंटे
साम्पातिक काल	09:04:18 घंटे
सूर्योदय	07:22:41 घंटे
सूर्यास्त	17:29:03 घंटे
दिनमान	10:06:23 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	06:15:09 धनु
लग्न के अंश	15:31:05 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	सौभाग्य
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पा-पल्लवी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	15:31:05	303:34:46	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
सूर्य			धनु	06:15:09	01:01:06	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	06:22:46	11:47:27	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	मित्र राशि
मंगल			मक	09:01:16	00:46:59	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	उच्च राशि
बुध	व	अ	वृश्चि	25:53:48	00:57:53	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	सम राशि
गुरु			मक	26:23:31	00:11:37	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	गुरु	नीच राशि
शुक्र			मक	09:37:22	00:11:34	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
शनि			मीन	19:44:03	00:00:36	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
राहु			सिंह	19:47:27	00:00:03	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
केतु			कुंभ	19:47:27	00:00:03	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	शत्रु राशि
हर्ष			मक	12:46:09	00:02:59	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
नेप			मक	04:45:32	00:02:03	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	12:34:39	00:02:13	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	---
दशम भाव			कर्क	19:46:43	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:39

लग्न-चलित

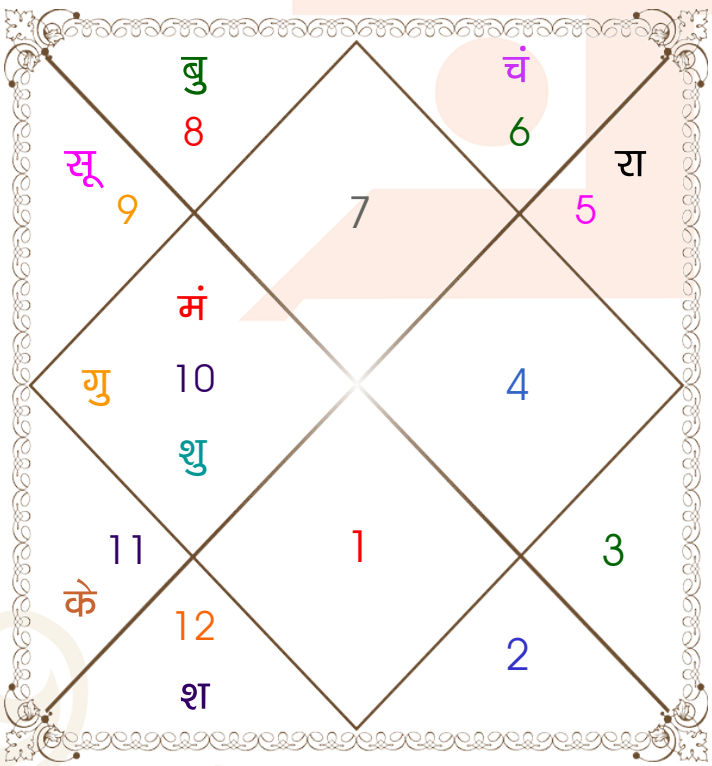

चन्द्र कुंडली

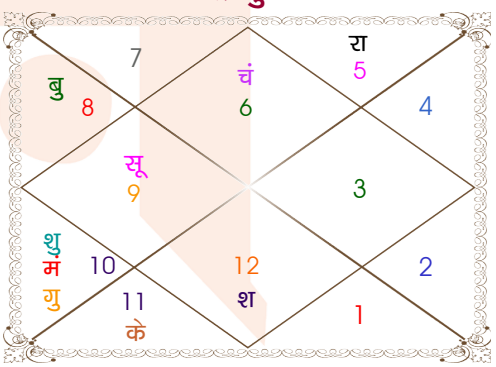

नवमांश कुंडली

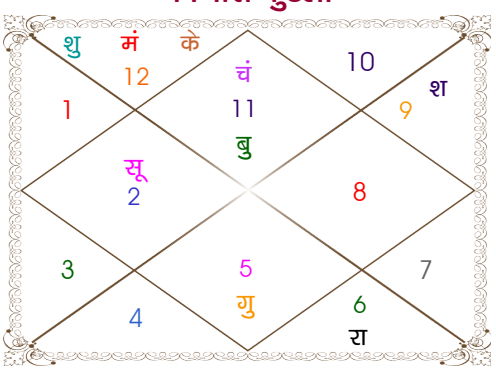

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 1 वर्ष 7 मास 16 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
22/12/1997		09/08/1999		08/08/2009		08/08/2016		08/08/2034	
09/08/1999		08/08/2009		08/08/2016		08/08/2034		08/08/2050	
	00/00/0000	चंद्र	08/06/2000	मंगल	04/01/2010	राहु	21/04/2019	गुरु	26/09/2036
	00/00/0000	मंगल	07/01/2001	राहु	23/01/2011	गुरु	14/09/2021	शनि	09/04/2039
	00/00/0000	राहु	09/07/2002	गुरु	30/12/2011	शनि	21/07/2024	बुध	15/07/2041
	00/00/0000	गुरु	08/11/2003	शनि	07/02/2013	बुध	07/02/2027	केतु	21/06/2042
	00/00/0000	शनि	08/06/2005	बुध	04/02/2014	केतु	26/02/2028	शुक्र	19/02/2045
	22/12/1997	बुध	08/11/2006	केतु	03/07/2014	शुक्र	25/02/2031	सूर्य	08/12/2045
बुध	03/04/1998	केतु	09/06/2007	शुक्र	02/09/2015	सूर्य	20/01/2032	चंद्र	09/04/2047
केतु	08/08/1998	शुक्र	07/02/2009	सूर्य	08/01/2016	चंद्र	21/07/2033	मंगल	15/03/2048
शुक्र	09/08/1999	सूर्य	08/08/2009	चंद्र	08/08/2016	मंगल	08/08/2034	राहु	08/08/2050

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
08/08/2050		08/08/2069		08/08/2086		08/08/2093		09/08/2113	
08/08/2069		08/08/2086		08/08/2093		09/08/2113		00/00/0000	
शनि	11/08/2053	बुध	05/01/2072	केतु	05/01/2087	शुक्र	08/12/2096	सूर्य	27/11/2113
बुध	20/04/2056	केतु	01/01/2073	शुक्र	06/03/2088	सूर्य	08/12/2097	चंद्र	28/05/2114
केतु	30/05/2057	शुक्र	02/11/2075	सूर्य	12/07/2088	चंद्र	09/08/2099	मंगल	03/10/2114
शुक्र	30/07/2060	सूर्य	07/09/2076	चंद्र	10/02/2089	मंगल	09/10/2100	राहु	28/08/2115
सूर्य	12/07/2061	चंद्र	07/02/2078	मंगल	09/07/2089	राहु	10/10/2103	गुरु	15/06/2116
चंद्र	10/02/2063	मंगल	04/02/2079	राहु	27/07/2090	गुरु	10/06/2106	शनि	28/05/2117
मंगल	21/03/2064	राहु	23/08/2081	गुरु	03/07/2091	शनि	09/08/2109	बुध	23/12/2117
राहु	26/01/2067	गुरु	29/11/2083	शनि	11/08/2092	बुध	09/06/2112		00/00/0000
गुरु	08/08/2069	शनि	08/08/2086	बुध	08/08/2093	केतु	09/08/2113		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 1 वर्ष 7 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के महिला हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आप व्यक्तिगत रूप से अपने पति के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपने जीवन साथी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकती हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करती है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपके समझदार पति एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगी। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेंगी। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगी। अन्य शब्दों में आपके आय की आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगी। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगी। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगी। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।